MPMETRO

दैनिक भास्कर इंदौर 01-01-2023 Pg-02

2023 में मेरा इंदौर

इस साल उम्मीद की सबसे बड़ी तस्वीर... इंदौर अब मेट्रो सिटी

21वीं सदी की सबसे बड़ी सौगात... पूरी उम्मीद- 9 माह में दौड़ने लगेगी मेट्रो

एमआर-10 क्षेत्र में मेट्रो प्रोजेक्ट और तेजी से आकार लेता कुमेड़ी आईएसबीटी।
फोटो | ओपी सोनी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

साल 2023 वैसे तो शहर के लिए कई सौगातें लेकर आएगा, लेकिन मेट्रो ट्रेन 21वीं सदी की सबसे बड़ी सौगात होगी। पूरी उम्मीद है कि 5.9 किमी के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर सितंबर 2023 यानी ठीक 9 महीने बाद मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन हो जाएगा। इंदौर के इतिहास में पहली बार लोग मेट्रो ट्रेन चलते देखेंगे। फिलहाल इस हिस्से में 45 फीसदी काम पूरा हो चुका है। वहीं पहले चरण के 17.5 किमी के कॉरिडोर की बात करें तो 55 फीसदी काम हो चुका है।

31.55 किमी का कुल ट्रैक
17.5 किमी का प्रायोरिटी कॉरिडोर
5.9 किमी का सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर
24 किमी में एलिवेटेड ट्रैक होगा
7.48 किमी का अंडरग्राउंड ट्रैक होगा
29 जगह बनेंगे मेट्रो स्टेशन
7500 करोड़ का प्रोजेक्ट

पहले चरण में 29 स्टेशन बनेंगे

भौंरासला चौराहा, एमआर 10 रोड, आईएसबीटी/ एमआर 10 फ्लायओवर, चंद्रगुप्त चौराहा, हीरा नगर, बापट चौराहा, मेघदूत गार्डन, विजय नगर चौराहा, रेडिसन चौराहा, मुमताज बाग कॉलोनी, बंगाली चौराहा, पत्रकार कॉलोनी, पलासिया चौराहा, हाई कोर्ट/ होटल रेजीडेंसी, रेलवे स्टेशन, राजबाड़ा, मौलाना आजाद मार्ग, बड़ा गणपति, रामचंद्र नगर चौराहा, कालानी नगर, बीएसएफ, एयरपोर्ट, गांधी नगर नैनोद, सुपर कॉरिडोर 6, सुपर कॉरिडोर 5, सुपर कॉरिडोर 4, सुपर कॉरिडोर 3, सुपर कॉरिडोर 2, सुपर कॉरिडोर 1

(जानकारी मेट्रो प्रोजेक्ट अधिकारियों के मुताबिक)

राजबाड़ा व्यापारिक क्षेत्र को समर्पित एक सड़क

जहां वन-वे में भी मुश्किल से गुजरते थे वाहन, वहां 60 फीट में दौड़ रहा ट्रैफिक

भास्कर संवाददाता | इंदौर

जिस राजबाड़ा क्षेत्र में कभी 20 फीट चौड़े वन-वे पर वाहन मुश्किल से निकल पाते थे, वहां अब 60 फीट चौड़ी स्मार्ट सड़क बनकर तैयार हो चुकी है। यह सड़क राजबाड़ा और सराफा, मारोठिया जैसे आसपास के एक दर्जन से ज्यादा प्राचीन बाजारों को व्यावसायिक रफ्तार तो देगी ही पारंपरिक गेर और अनंत चतुर्दशी के उल्लास को भी दोगुना बना देगी। बड़ा गणपति से कृष्णपुरा ब्रिज तक पौने दो किमी की सड़क बनकर तैयार है। इस सड़क के निर्माण के लिए दोनों ओर 200-200 निर्माण स्वेच्छा से हटाए गए हैं।

3 अन्य सड़कें भी इसी साल होंगी तैयार, 150 कॉलोनियां सीधे सुपर कॉरिडोर, बायपास से जुड़ेंगी

1. बाणगंगा रेलवे क्रॉसिंग से आईएसबीटी तक

आरडब्ल्यू-1 नाम से 1.70 किमी लंबी यह सड़क 21 करोड़ 52 की लागत से 30 मीटर चौड़ी बनेगी। मुख्य रेलवे स्टेशन, नेहरू पार्क स्टेशन और लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन के साथ ही सरवटे बस स्टैंड, गंगवाल बस स्टेशन, आईएसबीटी को आपस में जोड़ेगी।

2. भंवरकुआं से तेजाजी नगर तक

भंवरकुआं से तेजाजी नगर तक 6.5 किमी की सड़क बनाई जा रही है। 104 फीट चौड़ाई रहेगी। 53 करोड़ खर्च होंगे। यह भी बायपास की लिंक सड़क है।

3. आरई-2

4.25 किमी की आरई-2 सड़क 24 मीटर चौड़ाई की रहेगी। इसका एक हिस्सा आईडीए ने बनवाया है। 2022 में काम शुरू हुआ। 42.16 करोड़ खर्च किए जाएंगे। आरटीओ, बायपास को कई कॉलोनियों को कनेक्ट करेगी।

02 आईएसबीटी भी इसी साल मिलेंगे

इंदौर| नायता मुंडला व कुमेड़ी में बन रहे आईएसबीटी भी इसी साल शहर को मिलेंगे। नायता मुंडला आईएसबीटी जनवरी या फरवरी और साल अंत तक कुमेड़ी आईएसबीटी भी तैयार हो जाएगा।

यह सुविधाएं होंगी दोनों आईएसबीटी में

- सिटी बस के लिए अलग होगा टर्मिनल
- एयरपोर्ट की तरह बैठने की व्यवस्था होगी
- कुमेड़ी में 800 लोगों के लिए पहले हिस्से में, जबकि दूसरे हिस्से में 250 लोगों के लिए बैठक व्यवस्था होगी

32 सीट वुमन व वीआईपी लाउंज में भी बनेंगी दोनों जगह
01 अराइवल टर्मिनल
01 डिपार्चर टर्मिनल
400 व 300 वर्गफीट के ऑफिस और फूड कोर्ट बनेंगे बिल्डिंग के अंदर
30 हजार यात्रियों का आवागमन होगा

1500 बसें संचालित होंगी कुमेड़ी से

कुमेड़ी में सबसे बड़ा आईएसबीटी बन रहा है। यहां से 1500 बसों का संचालन होगा। हर दिन 55 हजार के करीब यात्री आना-जाना कर सकेंगे।

नायता मुंडला बस स्टैंड

400 बसें हर दिन संचालित होंगी
50 बसें एक समय में खड़ी हो सकेंगी
480 दोपहिया व 50 चार पहिया वाहन पार्क किए जा सकेंगे
09 टिकट काउंटर, 14 व्यावसायिक दुकानें और पुलिस चौकी रहेगी

30 हजार यात्रियों का आवागमन होगा

महाराष्ट्र के लिए स्लीपर, वीडियो कोच बसें चलेंगी

यहां से मुंबई, पुणे के लिए वीडियो कोच, स्लीपर, एसी बसें चलेंगी। चापड़ा, हाटपीपल्या, कम्पेल, हरदा, नेमावर, सेंधवा और खंडवा रूट की बसें भी संचालित होंगी।

सेंट्रल एयर कूलिंग सिस्टम और ग्रीन वेटिंग एरिया भी

यात्रियों के लिए सेंट्रल एयर कूलिंग सिस्टम के साथ ग्रीन वेटिंग एरिया रहेगा। टूरिस्ट इन्फर्मेशन सेंटर, एटीएम, क्लॉक रूम, मेडिकल सुविधा, पब्लिक टॉयलेट एवं पेयजल व्यवस्था रहेगी।

FREE PRESS
INDORE
01.01.2023

Metro to usher in era of safe journey for commuters

ARSH RAFIK VISAAL
Indore

The Indore Metro train will use advanced safety equipment ensuring that the Metro will provide a safe and smooth ride for its passengers. The metro will have an automatic train control system and an automatic train protection system.

"The safety of passengers has been prioritised in all aspects of the metro rail system, which is set to begin soon in Madhya Pradesh's capital Bhopal and industrial city Indore," said officials.

Officials said that metro trains run with a system known as ATC (Automatic Train Control). The ATC system is designed to allow minimal involvement of train operators and metro trains can be operated automatically or manually by operators.

ATC requires three subsystems to function. Automatic Train Protection (ATP) is the most important of them. This system prevents two trains from arriving at the same place at the same time. In addition to controlling interlockings (crossovers or switches), the ATP system maintains a safe distance between trains and allows for a safe stopping distance through speed regulation.

Additionally, the ATP system prevents trains from exceeding the PSR/TSR of any section on the track. Another feature of the ATP prevents the train doors from opening until the train halts completely on the platform. ATP supports train operation in both manual and automatic mode. If a train exceeds the regulated speed, a full-service brake/emergency brake is applied until the train is brought down to the regulated speed.

Another feature is Automatic Train Supervision (ATS) which keeps trains running on time. This system facilitates the Operations Control Center staff to provide Movement Authority for trains servicing on the Mainline. It also takes into account the train's scheduled departure and arrival times and, based on the defined Timetable, ATS increases or decreases train speed, as well as automatically increases or decreases the time for which it stops on the platform.

The signals on a Metro tracks differ from that of older subways as physical signals are present only at switches. They can display following aspects to the operator: stop, proceed, proceed with caution speed and proceed with divergence. The ATC system is designed to maintain a safe distance between trains. It communicates with wayside instruments through radio antennas, axle counters, beacons and transmits regulated speed commands to trains.

METRO WORK PROGRESS

Officials said, " the metro viaduct will be 17.2 km long under the Priority Corridor. Civil and non-civil construction works are in full swing, and till now, 83 per cent of pile foundation has been laid. The civil work of the metro rail station is also in progress, out of which 94 per cent pile foundation, 100 per cent of the open foundation and 70 per cent work of pier pillars have also been completed. Till now, 33 per cent of pile work has also been completed in Gandhi Nagar Depot."

Security at metro stations

The metro station will be equipped with CCTV cameras that will resemble security arrangements at the airport, said officials.

MPMETRO

The People's Samachar
Indore 01.01.2023

पीपुल्स समाचार
इंदौर सिटी Page: 7 January 01, 2023

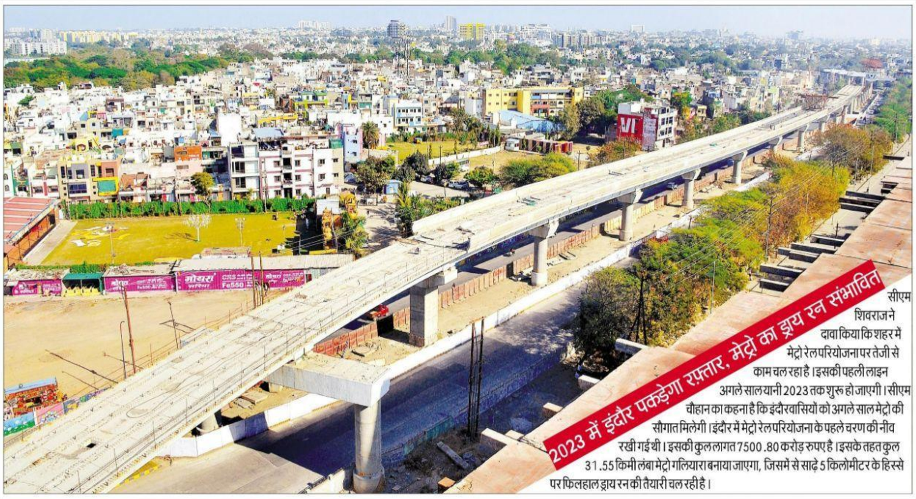

2023 में इंदौर पकड़ेगा रफ़्तार, मेट्रो का ड्राय रन संभावित

सीएम शिवराज ने दावा किया कि शहर में मेट्रो रेल परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। इसकी पहली लाइन अगले साल यानी 2023 तक शुरू हो जाएगी। सीएम चौहान का कहना है कि इंदौरवासियों को अगले साल मेट्रो की सौगात मिलेगी। इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण की नीव रखी गई थी। इसकी कुल लागत 7500.80 करोड़ रुपए है। इसके तहत कुल 31.55 किमी लंबा मेट्रो गलियारा बनाया जाएगा, जिसमें से साढ़े 5 किलोमीटर के हिस्से पर फिलहाल ड्राय रन की तैयारी चल रही है।

इंदौर से भोपाल की दूरी मिनटों में होगी पूरी

सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि नए साल में रेलवे बोर्ड मप्र को बड़ी सौगात देने जा रहा है यह तोहफा दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के रूप में मिलने वाला है, दरअसल यह ट्रेन इंदौर से जनवरी में शुरू होने की संभावना है, इंदौर-जयपुर और इंदौर-जबलपुर के लिए ट्रेन को चलाने की तैयारी चल रही है, उम्मीद जताई जा रही है कि प्रवासी सम्मेलन के लिए इंदौर आ रहे पीएम मोदी यहां ट्रेन के शुरू होने की तारीख का ऐलान कर सकते हैं।

2023 में कृषि विश्व विद्यालय की दरकार

इंदौर में प्राकृतिक एवं जैविक खेती के साथ कृषि विश्वविद्यालय की सौगात केंद्र सरकार मध्य प्रदेश को कृषि मंत्री कमल पटेल की पहल पर देने जा रही है। पटेल ने बताया कि इंदौर के कृषि महाविद्यालय को जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ विश्वविद्यालय (यूनिवर्सिटी) बनाने की पूरी तैयारी है। कृषि मंत्री ने आश्वस्त किया है। सब कुछ ठीक रहा तो 2023 में यह सौगात मिलेगी।

देश और दुनिया को स्वच्छता का सबक सिखाता इंदौर, मप्र की वित्तीय, शिक्षा, स्वास्थ्य की धड़कन है। राज्य के राजस्व आपूर्ति के साथ समूचे देश की संस्कृति और भिन्नताओं को अपने में समेटे हुए एक आधुनिक आंगन है। 2023 में कृषि विश्वविद्यालय, एम्स की मांग के साथ अपने बढ़ते हुए आकार के फलीभूत मुख्यमंत्री के सपनों का शहर उड़ान भरने को तैयार है। आएं, 2023 में प्रवेश करें और सक्षम इंदौर, मजबूत इंदौर के पथ पर अग्रसर हों। सपने साकार करने के लिए अग्रसर हों।

करोड़ की लागत से तैयार होगा बर्न यूनिट

- प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एमवायएच में सात करोड़ रुपए की लागत से बन रही अत्याधुनिक बर्न यूनिट 2023 तक बनकर तैयार हो जाएगी। इसमें तापमान यूनिट में हिटिंग वेंटिलेशन एंड एयर कंडिशनिंग (एचवीएसी) सिस्टम लगाया जा रहा है। दो माड्यूलर ऑपरेशन थिएटर होंगे। हाईड्रो थैरेपी यूनिट भी रहेगी।
- प्रदेश के पहले मेडिकल कॉलेज एमजीएम में 250 सीटें एमबीएस के विद्यार्थियों के लिए मिलेगी।
- सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल में 2023 में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट शुरू हो जाएगी।

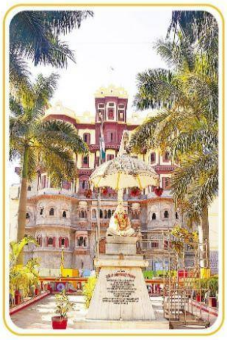

प्राकृतिक संवर्धन

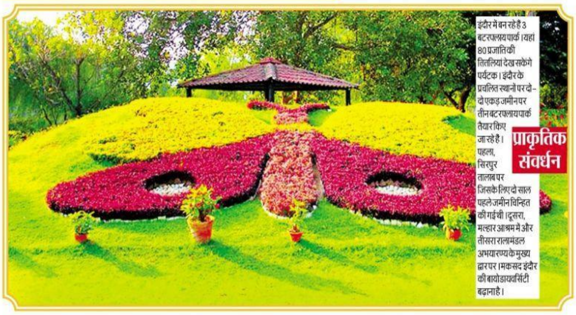

इंदौर में बन रहे हैं 3 बटरफ्लाय पार्क। यहां 80 प्रजाति की तितलियां देख सकेंगे पर्यटक। इंदौर के प्रचलित स्थानों पर दो-दो एकड़ जमीन पर तीन बटरफ्लाय पार्क तैयार किए जा रहे हैं। पहला, सिरपुर तालाब पर जिसके लिए दो साल पहले जमीन चिन्हित की गई थी। दूसरा, मल्हार आश्रम में और तीसरा रालामंडल अभयारण्य के मुख्य द्वार पर। मकसद इंदौर की बायोडायवर्सिटी बढ़ाना है।

इंदौर के लिए एम्स की मांग

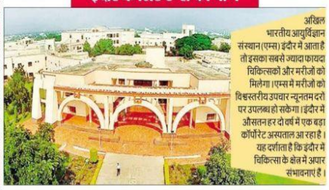

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) इंदौर में आता है तो इसका सबसे ज्यादा फायदा चिकित्सकों और मरीजों को मिलेगा। एम्स में मरीजों को विश्वस्तरीय उपचार न्यूनतम दरों पर उपलब्ध हो सकेगा। इंदौर में औसतन हर दो वर्ष में एक बड़ा कॉर्पोरेट अस्पताल आ रहा है। यह दर्शाता है कि इंदौर में चिकित्सा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

बच्चों का बनेगा हॉस्पिटल

डीन एमजीएम मेडिकल कॉलेज- डॉ. संजय दीक्षित ने बताया कि एमवायएच परिसर में बच्चों के लिए नया सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल बनने जा रहा है। 12 करोड़ की लागत वाले इस प्रोजेक्ट का प्लान तैयार हो चुका है। नए अस्पताल के बनने से किडनी, न्यूरोलॉजी, ब्लड कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों का इलाज हो सकेगा। यहां वेंटिलेटर और आधुनिक ऑपरेशन थियेटर की सुविधा भी मिलेगी।

बनेगा जिला अस्पताल

15 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा जिला अस्पताल 2023 तक बनकर तैयार हो जाएगा। 300 बेड के जिला अस्पताल में सर्जरी, मेडिसिन, नेत्र रोग व महिला रोग संबंधित ऑपरेशन थिएटर बनाए जाएंगे। इसके अलावा यहां पर गहन चिकित्सा इकाई, बच्चों के लिए एनआईसीयू, पीआईसीयू का निर्माण किया जाएगा। नंदानगर क्षेत्र में स्थित राज्य कर्मचारी बीमा निगम 500 बेड का अत्याधुनिक थ्री स्टार अस्पताल 2023 तक बनकर तैयार हो जाएगा।

सौगात : सीएम राइज स्कूल

इंदौर में 2023 तक पांच स्कूल सीएम राईज स्कूल बनेंगे। शासकीय कन्या उमावि मल्हार आश्रम नंबर-एक, शासकीय माडल उमावि महू, शासकीय माडल उमावि देपालपुर, शासकीय नवीन मालवा कन्या उमावि महू नाका, शासकीय माडल उमावि सांवेर के नए भवन अगले सत्र के शुरू होंगे।

MPMETRO

Indore Samachar

Indore

02.01.2023

भोपाल में सितंबर में पूरा होगा काम, इंदौर में इस साल सिर्फ ट्रायल

MP में नए साल में मेट्रो का सफर

भोपाल/इंदौर। अगर सब कुछ ठीक रहा तो भोपाल मध्यप्रदेश का पहला शहर होगा, जिसमें 2023 में लोग यह लाइन सुन सकेंगे कि अगला स्टेशन एम्स हैज्दरवाजे बाई तरफ खुलेंगे...कृपया दरवाजों से हटकर खड़े हों । नए साल में विधानसभा चुनाव से पहले भोपाल में मेट्रो ट्रेन दौड़ने लगेगी।

भोपाल और इंदौर में मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का काम तेजी से चल रहा है। भोपाल में पहले ट्रायल और लोकार्पण होगा, वहीं स्थानीय दिक्कतों के चलते इंदौर में तीन महीने बाद लोग मेट्रो की सवारी कर सकेंगे। इंदौर में दिसंबर 2023 तक मेट्रो का ट्रायल हो जाएगा। मप्र मेट्रो ट्रेन कॉर्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह ने पिछले दिनों कोच खरीदी, पटरियां बिछाने से लेकर अन्य महत्वपूर्ण टेंडरों को मंजूरी दी है। इंदौर और भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए 156 कोच की खरीदी की जाएगी, जिसमें से इंदौर के लिए 75 और भोपाल के लिए 81 कोच होंगे।

एम्स से सुभाष नगर के बीच 20 फीसदी काम बाकी

मेट्रो का पहला रूट एम्स से करोंद तक कुल 16.05 किलोमीटर लम्बा है। इसमें से 6.22 किमी एम्स से सुभाष नगर के बीच का काम प्रायोरिटी कॉरिडोर के रूप में 2018 में शुरू हुआ था। इसका 80 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। 9 महीने में बाकी बचे 20 फीसदी काम को पूरा करने का टारगेट है। पिलर खड़े होने और गर्डर लॉन्चिंग के बाद मेट्रो कॉर्पोरेशन का पूरा फोकस डिपो और स्टेशन बनाने में है, क्योंकि इन्हीं में वक्त लगेगा। कोरोना के कारण काम रुका फिर भी इस साल सितंबर तक काम पूरा करने का दावा किया जा रहा है।

9 महीने में ये काम करने हैं पूरे

421 करोड़ रुपए से 8 स्टेशन= एम्स से सुभाष नगर अंडरब्रिज तक आठ स्टेशन बनने हैं। ये स्टेशन एम्स, अलकापुरी, डीआरएम ऑफिस, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, डीबी सिटी, एमपी नगर जोन-1, आयकर भवन और सुभाष नगर अंडरब्रिज में बन रहे हैं। सुभाषनगर में स्टेशन का काम जमीन से ऊपर दिख रहा है। स्टेशन 100 मीटर लंबे और कम से कम 14 मीटर चौड़े होंगे। इनका 90त काम बाकी है। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन और डीबी सिटी जैसे चहल-पहल वाले स्थानों पर फुटओवर ब्रिज (FOB) बनेंगे।

मेट्रो डिपो =भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट का तीसरा बड़ा काम डिपो का है, जो 323 करोड़ रुपए से सुभाषनगर अंडरब्रिज के पास स्टड फॉर्म की 26.41 हेक्टेयर (65.26 एकड़) जमीन पर बनाया जा रहा है। यहां एक साथ 4 मेट्रो ट्रेन खड़ी हो सकेंगी। डिपो में अभी जमीनी स्तर पर ही काम चल रहा है। यहां न केवल मेट्रो का रखरखाव होगा, बल्कि कंट्रोलिंग सिस्टम भी यहीं होगा। सिग्नलिंग, कम्युनिकेशन, पावर सप्लाई सब कुछ यहीं से होगा।

सुभाष नगर से करोंद तक अंडरग्राउंड होगी मेट्रो =एम्स से सुभाषनगर का रूट बनने के बाद सुभाष नगर से करोंद के बीच यानी बाकी के 9.83 किलोमीटर मेट्रो रूट का काम होगा। इस रूट पर 39 एकड़ से ज्यादा जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। अलग-अलग लोकेशन की लगभग 8 एकड़ जमीन पर 5 प्लाजा, 6 स्टेशन, 4 पार्किंग, 2 यार्ड बनेंगे। पुराने शहर में अतिरिक्त पार्किंग व्यवस्था पर फोकस है। पुल बोगदा के पास मेट्रो का जंक्शन बनेगा, यहां दोनों लाइनें आकर मिलेंगी। पुल बोगदा से मेट्रो अंडरग्राउंड हो जाएगी। पहला अंडरग्राउंड स्टेशन मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 की तरफ बनेगा। जहां ईरानी डेरे की जमीन ली गई है। नादरा बस स्टैंड का मेट्रो स्टेशन भी अंडरग्राउंड रहेगा।

ट्रैफिक, पर्यावरण और इकोनॉमी के लिहाज से भरपूर प्रॉफिट

भोपाल में लोकल ट्रांसपोर्ट के लिए 352 सिटी बसें दौड़ रही हैं। इसके अलावा ऑटो, ई-रिक्शा और प्राइवेट व्हीकल अलग हैं। इतने व्हीकल होने से ट्रैफिक का भारी दबाव रहता है। कई जगह तो सुबह-शाम पीक ऑवर्स के समय जाम की स्थिति बन जाती है। अकेले होशंगाबाद रोड पर पीक ऑवर्स के चार घंटों के दौरान 4 हजार से ज्यादा गाड़ियां चलती हैं। मेट्रो ट्रेन चलने से सड़क का ट्रैफिक कम हो जाएगा। इतना ही नहीं बढ़ते पेट्रोल के दाम के बीच मेट्रो पॉकेट फ्रेंडली होगी। वाहन कम होने से कम धुआं होगा, जिससे पर्यावरण की सेहत भी सुधरेगी।

इस साल ट्रायल, आधे घंटे में गांधी नगर से रेडिसन तक का सफर

इंदौर मेट्रो ट्रेन प्रायोरिटी कॉरिडोर में गांधी नगर से लेकर रेडिसन-रोबोट चौराहे तक का काम तेजी से चल रहा है। इसकी लंबाई 17.2 किलोमीटर है, जिसमें 5.9 किमी का काम पहले पूरा होगा। 11.6 किमी का काम बाद में होगा। गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर के बीच में 5 किलोमीटर रूट पर सितंबर 2023 में मेट्रो ट्रेन चलाकर ट्रायल किया जाएगा। इस काम को जल्द से जल्द पूरा करने में फिलहाल अधिकारी जुटे हैं। सिविल कंस्ट्रक्शन के जनरल मैनेजर केसी चौहान ने बताया कि गांधी नगर से रेडिसन स्टेशन तक कुल 17.2 किमी के 16 स्टेशन हमारी प्राथमिकता है। गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर तक 5 किलोमीटर में हम सितंबर 2023 तक 6 स्टेशन का काम काम पूरा कर लेंगे। यह नॉन कॉमर्शियल सर्विस रहेगी। रेपर मेट्रो का ट्रायल होगा। ट्रायल के बाद 2024 में 16 स्टेशन से मेट्रो लोगों के लिए चालू करेंगे। उम्मीद है कि फरवरी-मार्च 2024 तक सबके लिए मेट्रो ट्रेन शुरू हो जाएगी। इसकी रफ्तार 70 किलोमीटर प्रति घंटे होगी।

एक स्टेशन की इतनी लागत =मेट्रो के लिए 31.5 किलोमीटर रूट में 29 स्टेशन बनाए जा रहे हैं। एक स्टेशन की लागत 58 करोड़ है, जबकि अंडर ग्राउंड स्टेशन की लागत 190 करोड़ आ रही है। इसी तरह गांधीनगर में बनने वाले मेट्रो डिपो के लिए कुल 500 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

कोरोना के कारण हुई देरी = कोरोना के कारण मेट्रो प्रोजेक्ट का काम धीमा चल रहा है। पहले 17.2 किलोमीटर के काम के लिए भी दो कंपनियों को ठेका दिया गया है। सुपर कारिडोर से एमआर-10 तक का काम ट्रेन विकास निगम कर रहा है, जबकि एमआर-10 से रोबोट चौराहे तक का काम दिलीप बिल्डकॉन को दिया गया है।

पहले प्रायोरिटी कॉरिडोर में होना था ट्रायल

पहले 17.5 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर में ट्रायल रन होना था, लेकिन काम की धीमी रफ्तार और अलाइमेंट संबंधित दिक्कतों को देखते हुए इसमें बदलाव कर दिया है, हालांकि इस पूरे रूट पर काम चल रहा है। ट्रायल के भी कम से कम 5 से 6 महीने बाद यात्री मेट्रो ट्रेन में सफर कर सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार अगले महीने जनवरी से कोलकाता की कंपनी पटरी बिछाने का काम शुरू कर देगी। ट्रायल रन में तीन कोच की ट्रेन चलेगी। जुलाई में ट्रायल के लिए ट्रेन भी आ जाएगी। वहीं मेट्रो ट्रेन की पटरी सामान्य ट्रेन की पटरी से अलग होती है। इसमें गिट्?टी का उपयोग नहीं होता है, इसलिए पटरी बिछाने के लिए दूसरी तैयारी करनी होती है।

कहीं अंडरग्राउंड तो कहीं एलिवेटेड का विरोध

इंदौर में अभी मेट्रो के पहले चरण का काम चल रहा है। रोबोट चौराहे से आगे दूसरे चरण का काम शुरू होगा, जिसमें खजराना, बंगाली चौराहा, कनाड़िया रोड, पलासिया, एमजी रोड, रीगल, कोठारी मार्केट, राजवाड़ा, बड़ा गणपति, रामचंद्र नगर, एयरपोर्ट शामिल है। शहर के मध्य क्षेत्र के व्यापारी मेट्रो के प्रस्तावित रूट का विरोध कर रहे हैं। कोठारी मार्केट में व्यापारी अंडरग्राउंड मेट्रो का विरोध कर रहे हैं। एमजी रोड के व्यापारी इसे एलिवेटेड करने के खिलाफ हैं। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और सांसद सुमित्रा महाजन की ओर से कुछ सुझाव इस संबंध में दिए थे, जिसमें मेट्रो को रेसकोर्स रोड से ले जाते हुए सुभाष मार्ग से ले जाने की बात है। यहां अंडर ग्राउंड होने से दिक्कत नहीं होगी। इससे बाजार, व्यापार और राजवाड़ा सब बच जाएगा।

कमलनाथ ने बताया था कैसे आया मेट्रो का आइडिया

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना का शिलान्यास किया था। तब उन्होंने कहा था कि मैं मेट्रो के कार्यक्रम में शामिल होने जयपुर गया था। उस समय मैं केंद्र में मंत्री था। यहां मेरे मन में विचार आया कि मध्यप्रदेश में मेट्रो को लेकर कोई चर्चा ही नहीं है। इसके बाद लौटकर मैंने उस समय भाजपा सरकार में मंत्री रहे बाबूलाल गौर से भोपाल और एक अन्य शहर के लिए मेट्रो की डीपीआर बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि इस पर काफी खर्च आएगा, इस पर मैंने कहा कि खर्च की चिंता ना करें। इसके बाद डीपीआर बनी, लेकिन अब तक वे कागज दबे रह गए। मप्र में हमारी सरकार आने पर मैंने मंत्री जयवर्धन सिंह से इस पर काम करने को कहा।

05

Nai Dunia

Indore

02.01.2023

नईदुनिया | 3
इंदौर, सोमवार 02 जनवरी, 2023

सम्मेलन के दौरान नहीं रुकेगा मेट्रो प्रोजेक्ट का काम

रफ्तार ● सितंबर में होना है ट्रायल रन, डिवाइडर हटाने से सड़कें हो गईं चौड़ी, बनेंगे 29 स्टेशन

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर में 8 जनवरी से होने से जा रहे प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के दौरान भी मेट्रो का काम नहीं रुकेगा। हालांकि बैरिकेड्स पीछे हटाने से सड़कें थोड़ी चौड़ी हो गई हैं। सितंबर में ट्रायल रन होना है, इसलिए काम नहीं रोका जाएगा।

मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों ने बताया कि इन दो बड़े आयोजनों के लिए अतिथि एयरपोर्ट से सुपर कारिडोर होते हुए ब्रिलियंट कंवेंशन सेंटर और होटलों तक जाएंगे। इसलिए ट्रैफिक को लेकर विशेष व्यवस्था की जा रही है। मेट्रो का काम भी इसी रूट पर चल रहा है। इसलिए काम बंद नहीं किया जाए। मेहमानों को आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो, इसका ध्यान भी रखा जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि गांधी नगर के पास मेट्रो स्टेशन का निर्माण कार्य चल रहा है। यहां 200 मीटर मार्ग को बंद कर यातायात सर्विस रोड पर डायवर्ट किया गया है। ताकि आवागमन में परेशानी न हो। दो दिन पहले मेट्रो कंपनी के प्रबंधन संचालक मनीष सिंह ने इस संबंध में बैठक लेकर निर्देश दिए थे।

ट्रायल रन के लिए जरूरी

छह स्टेशन : मेट्रो अधिकारियों ने अनुसार 31.5 किलोमीटर के पूरे मेट्रो कारिडोर में कुल 29 स्टेशन बनना है, लेकिन गांधीनगर से सुपर कारिडोर तक कुल छह स्टेशन बनेंगे। इनका काम किसी भी हाल में जुलाई तक पूरा करना होगा। पटरी बिछाने और इलेक्ट्रिफिकेशन के काम के बाद ही सितंबर तक ट्रायल रन हो सकेगा।

सुपर कारिडोर पर लगा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कटआउट ध्यान आकर्षित कर रहा है। ● नईदुनिया

अतिथियों को भेंट करेंगे सूखे मेवे का प्रसाद

इंदौर। अन्नपूर्णा माता मंदिर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन के दौरान दर्शन के लिए आने वाले अतिथियों को माता की चुनरी और महिला अतिथि को माता की साड़ी व सूखे मेवे का विशेष प्रसाद भेंट किया जाएगा। अन्नपूर्णा आश्रम ट्रस्ट के महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि के सान्निध्य एवं कार्यकारी अध्यक्ष विनोद अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित ट्रस्ट मंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

एयरोब्रिज में करेंगे रिसीव

इंदौर। प्रवासी भारतीय सम्मेलन में शामिल होने आ रहे मेहमानों को एयरपोर्ट पर एयरोब्रिज में ही रिसीव कर लिया जाएगा। इसके लिए 20 वालेंटियर की सेवाएं ली जाएंगी। मेहमान सीधे बस या कार में बैठकर रवाना हो जाएंगे। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार प्रवासी भारतीयों के लिए टर्मिनल में जिला प्रशासन सत्कार केन्द्र बनाएगा। हमें मेहमानों की उड़ान की जानकारी मिल जाएगी। इसके बाद हमारे वालेंटियर एयरोब्रिज में नाम पट्टिका लेकर खड़े हो जाएंगे। मेहमानों को लेकर सीधे नीचे आ जाएंगे। जल्द ही सामान निकलवाकर उन्हें जिला प्रशासन के सत्कार केंद्र पर छोड़ दिया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि हमारा स्टाफ तो इस काम को करेगा ही, संख्या कम न पड़े, इसलिए हम 20 वालेंटियरों की सेवा लेंगे।

MPMETRO

METRO NEWS

05th JANAUARY,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	Free Press Journal	Indore	05.01.23	02	Stepping on gas for Metro project	Neutral

INDORE CITY 02
www.freepressjournal.in INDORE | THURSDAY | JANUARY 5, 2023

Stepping on gas for Metro project

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The authorities have stepped on gas for the Metro project. Work at two main Metro stations at the Radisson Square and the MR 10 Square are not only going on in full swing but labourers have been pressed into service for multiple shifts.

"The wings at the Radisson Square Metro station have been developed," the officials said. Work for the MR 10 Metro station has also gained pace. Apart from this, the Metro Rail department has also cleared the rotary at the Vijay Nagar Square. Also, sidewalls at MR 10 towards Bapat Square have been installed.

Wings of the MR10 Metro Station

MPMETRO

METRO NEWS

08th JANAUARY,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
07	Dainik Bhaskar	Indore	08.01.23	13	एक से दूसरे स्टेशन पहुंचने में मेट्रो को लगेगा महज एक मिनट, 70 किलोमीटर की स्पीड से दौड़ेगी मेट्रो	Positive

इंदौर पकड़ेगा रफ्तार सितंबर तक गांधीनगर से सुपर कॉरिडोर के बीच ट्रायल के तौर पर चलाने की तैयारी

एक से दूसरे स्टेशन पहुंचने में मेट्रो को लगेगा महज एक मिनट, 70 किलोमीटर की स्पीड से दौड़ेगी ट्रेन

तस्वीर विजय नगर चौराहे की है, जहां मेट्रो ट्रेन के ट्रैक का काम तेजी से चल रहा है। यहां से रोटरी भी हटा दी गई है। फोटो : संदीप जैन

भास्कर संवाददाता | इंदौर

शहर में मेट्रो ट्रेन का प्रोजेक्ट भी आकार ले रहा है। पहले चरण में ट्रेन गांधी नगर से रोबोट चौराहा तक चलेगी। इस दौरान इसकी स्पीड करीब 70 किमी प्रति घंटा रहेगी। इससे होगा यह कि एक मिनट में यात्री अगले स्टेशन पर पहुंच जाएगा। प्रदेश सरकार की कोशिश है कि इस साल सितंबर तक इसका ट्रायल हो जाए। हालांकि अभी गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर तक ही ट्रायल किया जाएगा। मप्र मेट्रो ट्रेन कॉर्पोरेशन ने हाल ही में कोच खरीदी, पटरियां बिछाने सहित कई टेंडरों को मंजूरी दी है। इंदौर मेट्रो ट्रेन के लिए 75 कोच खरीदे जाएंगे। मेट्रो ट्रेन के प्रायोरिटी कॉरिडोर में गांधी नगर से रेडिसन-रोबोट चौराहे तक का काम तेजी से चल रहा है। इस रूट की लंबाई 17.2 किलोमीटर है, जिसमें 5.9 किमी का काम पहले पूरा होगा। सबसे पहले ट्रायल यहीं किया जाएगा। 11.6 किमी के ट्रैक को बाद में लिया जाएगा। ट्रायल के बाद 2024 में 16 स्टेशन से मेट्रो आमजन के लिए शुरू करने की तैयारी है। फरवरी-मार्च 2024 तक नियमित शुरू होने की संभावना है। कोरोना संक्रमण के कारण काम में देरी हुई। 17.2 किलोमीटर के लिए दो कंपनियों को कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। सुपर कॉरिडोर से एमआर-10 तक का काम ट्रेन विकास निगम और एमआर-10 से रोबोट चौराहे तक का काम दिलीप बिल्डकॉन कंपनी कर रही है। पहले 17.5 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर में ट्रायल रन होना था लेकिन काम की धीमी रफ्तार व अलाइनमेंट संबंधी दिक्कतों के कारण देरी होने से ट्रायल रूट को छोटा किया गया।

तीन कोच की ट्रेन चलेगी ट्रायल रन में

जनवरी में ही पटरियां बिछाने का काम शुरू हो सकता है। ट्रायल रन में तीन कोच चलेंगे। जुलाई में ट्रेन के कोच इंदौर पहुंच जाएंगे। इस ट्रेन की पटरी सामान्य ट्रेन की पटरी से अलग होती है। इसमें गिट्टी का उपयोग नहीं होता है।

कहीं अंडरग्राउंड तो कहीं एलिवेटेड ट्रैक, इसी को लेकर हो रहा विरोध

मेट्रो के पहले चरण का काम चल रहा है। रोबोट चौराहे से आगे दूसरे चरण का काम शुरू होगा, जिसमें खजराना, बंगाली चौराहा, कनाड़िया रोड, फ्लासिया, एमजी रोड, रीगल, कोठारी मार्केट, राजबाड़ा, बड़ा गणपति, रामचंद्र नगर, एयरपोर्ट का रूट शामिल है। शहर के मध्य क्षेत्र के व्यापारी मेट्रो के प्रस्तावित रूट का विरोध कर रहे हैं। कोठारी मार्केट में व्यापारी अंडरग्राउंड ट्रैक का विरोध कर रहे हैं। वहीं, एमजी रोड के व्यापारी इसे एलिवेटेड करने के खिलाफ हैं।

MPMETRO

METRO NEWS

15th JANAUARY,2023

Indore

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
08	Dainik Bhaskar	Indore	15.01.23	02	मेट्रो ट्रेन के ट्रायल रूट पर फरवरी से ट्रैक डलेगा, 55% सिविल वर्क पूरा हो चुका	Neutral

दैनिक भास्कर **इंदौर** 15-01-2023

संडे सिटी इंदौर

उम्मीद • अगले साल 16 स्टेशन से यात्रियों के लिए होगी शुरुआत

मेट्रो ट्रेन के ट्रायल रूट पर फरवरी से ट्रैक डलेगा, 55% सिविल वर्क पूरा हो चुका

भास्कर संवाददाता | इंदौर

मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के तहत 5.9 किलोमीटर के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ट्रैक बिछाने का काम फरवरी से शुरू किया जाएगा। इस रूट पर तेजी के काम शुरू हो गया है। करीब 55 फीसदी सिविल वर्क पूरा हो चुका है। इस हिस्से में 4 स्टेशन बनाए जा रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक चार लॉन्चर का काम चल रहा है।

पहले चरण में 17.5 किमी के कॉरिडोर पर काम चल रहा है। इसमें भी गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर तक के हिस्से पर तेजी से काम चल रहा है। एक-एक किमी की दूरी पर स्टेशन बनाए जा रहे हैं। गांधी नगर में डिपो का काम चल रहा है। 70 किमी की रफ्तार से गांधी नगर से रोबोट चौराहा तक ट्रेन चलेगी। एक मिनट में यात्री अगले स्टेशन पर पहुंच जाएंगे। चूंकि सितंबर में ट्रायल रन होना है, इसलिए काम में तेजी लाई गई है। पिछले दिनों ट्रैफिक भी डायवर्ट किया गया था। फरवरी से ट्रैक बिछाने का काम शुरू हो सकता है। ट्रायल रन में तीन कोच चलेंगे। जुलाई में ट्रेन के कोच इंदौर पहुंच जाएंगे।

5.9 किमी का है सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर, इस हिस्से में 4 स्टेशन बनेंगे

17.5 किलोमीटर के कॉरिडोर पर काम चल रहा है पहले चरण में

1-1 किमी पर होंगे स्टेशन, यात्री 1 मिनट में पहुंचेंगे एक से दूसरे स्टेशन

03 कोच चलेंगे ट्रायल रन के दौरान, जुलाई में कोच इंदौर पहुंच जाएंगे

एमआर-10 क्षेत्र में मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट। 4 दिन काम बंद रहने के बाद अब तेजी से काम शुरू हो गया है।

4 दिन काम बंद रहा, अब श्रमिक बढ़ाए

प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के कारण मेट्रो का काम 4 दिन बंद रखा गया था। अब एक-एक मिनट कीमती है। इसलिए काम में तेजी लाई गई है। कंपनियों को श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के लिए कहा है। मप्र मेट्रो ट्रेन कॉर्पोरेशन के एमडी ने हाल ही में कोच खरीदी, पटरियां बिछाने सहित कई टेंडर को मंजूरी दी है।

इंदौर के लिए 75 कोच खरीदे जाएंगे

गांधी नगर से रेडिसन-रोबोट चौराहे तक 17.2 किलोमीटर है। ट्रायल रूट का काम पहले किया जाएगा। 11.6 किमी के ट्रैक को बाद में लिया जाएगा। ट्रायल के बाद 2024 में 16 स्टेशन से मेट्रो आमजन के लिए शुरू करने की तैयारी है। फरवरी-मार्च 2024 तक मेट्रो ट्रेन के नियमित शुरू होने की संभावना है। इंदौर के लिए 75 कोच खरीदे जाएंगे।

Indore

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
09	Dainik Bhaskar	Indore	16.01.23	09	मेट्रो प्रोजे : इंदौर के मुक़ाबले भोपाल काम में 20 फीसदी आगे	Neutral

मेट्रो प्रोजेक्ट : इंदौर के मुकाबले भोपाल काम में 20 फीसदी आगे

भोपाल में फरवरी में तैयार हो जाएंगे 2 स्टेशन, मार्च से शुरू होगा ट्रैक और सिग्नलिंग का काम

दोनों शहरों में कोच रहेंगे एक जैसे, बेंगलुरु में हो रहे तैयार

भास्कर न्यूज़ | भोपाल

इंदौर और भोपाल में 2018 में वाया डक्ट के सिविल वर्क का काम शुरू हुआ था। भोपाल में यह काम 90 प्रतिशत तक हो गया है। केवल पिलर का काम अंतिम चरण में है। इंदौर में वाया डक्ट का काम 70 फीसदी तक ही हुआ है। वाया डक्ट के ऊपर ही ट्रैक बिछेगा। इसी तरह स्टेशन की बात करें तो भोपाल में सुभाषनगर और डीबी मॉल स्टेशन ट्रैक हाइट यानी 12 मीटर तक आ गए हैं। इन स्टेशन पर एंट्री एंड एग्जिट का काम भी लगभग पूरा हो गया है। इंदौर में यह दोनों काम अभी पिछड़े हुए हैं। डिपो के काम में जरूर भोपाल थोड़ा पीछे है, क्योंकि बरसात के मौसम में सुभाष नगर डिपो की साइट पर पानी भर गया था। अभी ट्रैक एंट्री का काम चल रहा है। कंट्रोल बिल्डिंग की छत डल रही है। लोडिंग-अनलोडिंग वे का काम चल रहा है। इंदौर में डिपो का काम भोपाल के मुकाबले दस फीसदी अधिक है।

चित्र भोपाल में चल रहे काम का।

भोपाल में रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर तक 4 किमी के मेट्रो रूट पर वाया डक्ट के सिविल वर्क का काम 90 फीसदी तक हो गया है। फरवरी तक वाया डक्ट का काम पूरा हो जाएगा और स्टेशन भी इतने तैयार हो जाएंगे कि वहां से यात्री मेट्रो में बैठ सकें। ट्रैक और सिग्नलिंग का काम मार्च में शुरू हो जाएगा।

इस साल सितंबर में मेट्रो के ट्रायल को सुनिश्चित करने के लिए वाया डक्ट के साथ, स्टेशन और डिपो का काम तेजी से चल रहा है। हर साइट पर 24 घंटे मशीनें चलते हुए देखी जा सकती हैं।

बिजली लाइन बिछाने का काम भी तेज : भोपाल में मेट्रो के लिए बिजली लाइन बिछाने का काम भी लगभग 70 फीसदी हो गया है। गोविंदपुरा से सुभाष नगर तक बिजली लाइन बिछाने के बाद ही सिग्नलिंग और इलेक्ट्रिकल के दूसरे काम शुरू हो सकेंगे। फरवरी में इसका काम पूरा होने के बाद मार्च से ट्रैक और सिग्नलिंग का काम शुरू हो जाएगा। इसके लिए कंपनी अगले महीने भोपाल आ जाएगी ताकि तैयारियां पूरी की जा सकें।

इस महीने के अंत तक तय हो जाएगी कोच की डिजाइन : इस महीने के अंत तक मेट्रो के कोच की डिजाइन तय हो जाएगी। भोपाल और इंदौर दोनों जगहों पर एक जैसे कोच होंगे। डिजाइन फाइनल होने के बाद चार महीने में कोच बनकर तैयार हो जाएंगे।

MPMETRO

METRO NEWS

18h JANAUARY,2023

Indore

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	Dabang Duniya	Indore	18.01.23	02	मेट्रो के काम ने एक बार फिर तेज़ी पकड़ी	Neutral

मेट्रो के काम ने एक बार फिर तेजी पकड़ी

इंदौर » दबंग रिपोर्टर

मेट्रो प्रोजेक्ट का काम अतिविशिष्टों के आगमन के मद्देनजर चार दिन के लिए रुकवाया था, जिसमें फिर तेजी आ गई है। साढ़े 5 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम सबसे पहले पूरा किया जाएगा, ताकि अगले साल सितम्बर में ट्रायल रन लिया जा सके। पटरियों को बिछाने का काम भी अगले महीने से शुरू हो जाएगा, जिसके लिए ठेके की प्रक्रिया भी पूरी की जा चुकी है और जिंदल स्टील को इसका काम मिला है। गांधी नगर डिपो का भी काम तेज गति से चल रहा है और मध्य क्षेत्र के लिए अवश्य निर्णय होना है।

गांधी नगर स्टेशन निर्माण के लिए 230 मीटर सुपर कॉरिडोर के उस हिस्से के मैन केरेजवे को तीन से चार महीने के लिए यातायात के लिए बंद भी कर दिया है और दोनों तरफ सर्विस रोड पर यातायात का डायवर्शन किया गया है। अभी प्रवासी सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री का इंदौर आगमन हुआ था, जिसके चलते एसपीजी के निर्देश पर चार दिनों के लिए मेट्रो का काम भी बंद करवाया और क्रेनों के अलावा सभी मशीनें भी डाउन करवा दी थी। मगर उसके बाद काम तेजी से शुरू कर दिया है। साढ़े 17 किलोमीटर के पहले चरण के ट्रैक पर अभी काम चल रहा है, जो कि एयरपोर्ट से गांधी नगर, सुपर कॉरिडोर, एमआर-10 होते हुए बापट चौराहा, विजय नगर, रेडीसन चौराहा से रोबोट चौराहा तक चल रहा है। मध्य क्षेत्र में अंडरग्राउंड और एलिवेटेड कॉरिडोर को लेकर गतिरोध जारी है। संभव है इस पर अब जल्द निर्णय लिया जाएगा, ताकि इस हिस्से के लिए भी टेंडर सहित अन्य प्रक्रिया शुरू हो सके।

MPMETRO

METRO NEWS

19th JANAUARY,2023

Indore

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	Free Press	Indore	19.01.23	03	Indore's life in a "Metro" on right track	Positive

Indore's life in a 'Metro' on right track

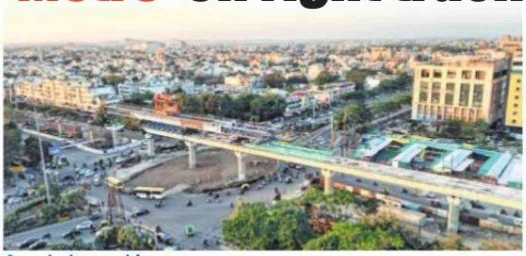

On priority corridor, 70% pillars ready 93% piling work completed

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

METRO RAIL PHASE 1

Deadline (Phase-I): September 2023

Line-3: Palasia - Railway Station - Rajwara Airport - Bhawarsala
Length: 31.55 km
Type: Elevated & Underground
Status: 17.5 km is under construction between Gandhi Nagar to Robot Square
Depot: Super Corridor
Number of stations: 16
Number of trains: 25
Estimated Daily commuters: 2.50 lakh by 2027
Top Speed: 80 kmph

The Indore Metro project is advancing at a good pace and the authorities have completed 93 percent of the piling work and on the priority corridor, 70 percent pillar formation work has been done.

The Metro authorities have stepped on gas at the Radisson Square. The arms of the Metro stations can be seen along the road from the Robot Square towards Radisson Square. There will be a curve on the track from Radisson towards Robot Square and utmost care would be taken while constructing this stretch and for this, the agency has pressed in more labourers.

According to information, the Metro track construction agency has installed several segment launchers to speed up the project.

The officials said 93 percent of the piling work is completed and it is expected to get over by January end. Also, the pillar development work along the corridor is expected to get over by February.

METRO NEWS

20th JANAUARY,2023

Indore

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	Indore Samachar	Indore	20.01.23	07	इंदौर से पहले भोपाल के लोग चढ़ेंगे मेट्रो	Neutral

फरवरी तक तैयार हो जाएंगे 2 स्टेशन इंदौर से 20 प्रतिशत आगे भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट का काम

इंदौर से पहले भोपाल के लोग चढ़ेंगे मेट्रो..!

इन्दौर (इ)। मध्य प्रदेश में इंदौर और भोपाल के लिए ड्रीम मेट्रो प्रोजेक्ट का काम तेजी से चल रहा है। सरकार का पूरा प्रयास है कि चुनाव से पहले यहां मेट्रो दौड़ा दी जाए जिससे उन्हें विधानसभा चुनाव में इसका फायदा मिल सके। ऐसे अगर इंदौर और भोपाल में काम के रफ्तार की तुलना करें तो लगता है इंदौरियों से पहले भोपालियों को मेट्रो में पहले चढने का मौका मिलेगा।

इंदौर मेट्रो और भोपाल मेट्रो दोनो ही प्रोजेक्ट पर काम साल 2018 में शुरू किया गया था। यानी करीब 4 साल का समय बीतने को है और अभी तक काफी काम होना बाकी रह गया है। अगर बात भोपाल की करें तो यहां 10 पिलर का काम अंतिम चरण में है और 90त्न डक्ट का काम लगभग पूरा हो गया है। वहीं इंदौर मेट्रो में अभी तक महज 70 फीसदी डक्ट का काम हुआ है।

इस मामले में इंदौर आगे

भोपाल ओवर आल भले ही इंदौर से आगे हो लेकिन एक मामले में इंदौर आगे निकल गया है। यहां डिपो बनाने का काम राजधानी से आगे और ज्यादा तेजी से चल रहा है। भोपाल में ये काम सुभाषनगर डिपो साइट में पानी भर जाने के कारण पिछड़ गया। हालांकि बाकी मामलों में भोपाल में काम काफी तेजी के हो रहा है।

फरवरी में दो स्टेशन तैयार

भोपाल में बिजली लाइन बिछाने का लगभग 70 फीसदी काम पूरा हो गया है। दावा किया जा रहा है कि फरवरी तक भोपाल में दो स्टेशन इतने तैयार कर लिए जाएंगे की यहां यात्री आकर ट्रेन पकड़ सकें। हालांकि ऐसा होगा नहीं क्योंकि मार्च के बाद से ही ट्रैक और सिग्नलिंग काम मार्च से शुरू होगा।

सितंबर में ट्रायल का प्लान

भोपाल मेट्रो के लिए सितंबर में ट्रायल का प्लान किया जा रहा है। इसके लिए ताम तेजी से चल रहा है। पूरे प्रोजेक्ट में दिन रात मशीने चल रही है। अगर इसी रफ्तार से वाया डक्ट के साथ स्टेशन और डिपो का काम चलता रहा तो पूरी संभावना है कि सितंबर तक ट्रायल हो जाए और उसके बाद भोपाल की सान में एक और नाम जुड़ जाए।

8 साल पहले शुरू हुआ तो प्रोजेक्ट का सफर

बता दें भोपाल मेट्रो की चर्चा सबसे पहले साल 2014 में हुई थी। तब से लेकर आज तक 8 साल का समय बीत गया है। 2018 भूमि पूजन कार्यक्रम में प्रोजेक्ट को 2023 तक पूरा करने का वादा किया था। इस दौरान प्रोजेक्ट में 8 मैनेजिंग डायरेक्टर इस प्रोजेक्ट में काम कर चुके हैं। अभी 9वें डायरेक्टर का कार्यकाल चल रहा है। देरी का एक ये भी कारण माना जा रहा है।

जनवरी के अंत तक तय होगी कोच की डिजाइन

रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर तक 4 किमी के मेट्रो रूट पर वाया डक्ट के सिविल वर्क का काम 90 फीसदी तक हो गया है। फरवरी तक वाया डक्ट का काम पूरा हो जाएगा और स्टेशन भी इतने तैयार हो जाएंगे कि वहां से यात्री मेट्रो में बैठ सकें। ट्रैक और सिग्नलिंग का काम मार्च में शुरू हो जाएगा। मेट्रो का कोच बेंगलुरू में बन रहा है। इस साल सितंबर में मेट्रो के ट्रायल को सुनिश्चित करने के लिए वाया डक्ट के साथ स्टेशन और डिपो का काम तेजी से चल रहा है। हर साइट पर 24 घंटे मशीनें चलते हुए देखी जा सकती हैं।

MPMETRO

METRO NEWS

22nd JANAUARY,2023

Indore

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Type
13	Dainik Patrika	Indore	22.01.23	02	Factual

पत्रिका {इंदौर प्राइम}

INDORE PRIME

डिपो का काम तेजी से जारी, पॉवर हाउस और मेंटेनेंस-इंस्पेक्शन यार्ड हो रहा तैयार

सबसे बड़ा मेट्रो स्टेशन: गांधी नगर सुपर कॉरिडोर पर होगा, यहीं से लैंडिंग-टेकऑफ

लापरवाही पर सीनियर इंजीनियर और यूआरसी कंस्ट्रक्शन को नोटिस

पत्रिका मेट्रो मीटर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. मेट्रो ट्रायल रन के लिए सुपर कॉरिडोर पर बन रहे सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर शहर का सबसे बड़ा मेट्रो स्टेशन गांधीनगर में बनेगा। इस स्टेशन के समीप मेट्रो का डिपो भी तैयार हो रहा है। इस स्टेशन से ही मेट्रो डिपो में जाएगी और ट्रैक के लिए टेकऑफ करेगी। एमडी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि सितंबर में हर हाल में ट्रायल रन शुरू हो जाए। डिपो का काम लगभग 50 प्रतिशत पूरा हो गया है।

शनिवार को मेट्रो एमडी मनीष सिंह ने सुपर कॉरिडोर ट्रैक के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान सीनियर डीजीएम वायडक्ट पालम को स्टेशन से यार्ड तक कर्व ट्रैक के कार्य में लापरवाही पर टर्मिनेशन के लिए चेतावनी नोटिस दिया है। कास्टिंग यार्ड में प्री कास्ट पाई और आई गर्डर के काम में देरी करने पर भी कंपनी यूआरसी को नोटिस जारी किया है। एमडी ने अधिकारियों व कॉन्ट्रेक्टर से कहा कि यह सरकार की उच्च प्राथमिकता वाला काम है। इसमें 1 घंटे की भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने डिपो में निर्माणाधीन इंस्पेक्शन वे, स्टेब्लिंग लाइन, ऑक्जिलरी सब स्टेशन, रिसीविंग सब स्टेशन, एडमिन व कंट्रोल बिल्डिंग, यार्ड लाइन का निरीक्षण किया।

मेट्रो के जीएम केसी चौहान व एजीएम अनिल जोशी ने बताया कि मई तक काम पूरे करने का लक्ष्य रखा है। डिपो की बाउंड्रीवॉल को लेकर निर्माण में देरी हो रही है। एमडी ने कॉन्ट्रेक्टर से फोन पर बात कर काम को गति देने के लिए कहा है। समय सीमा में मेट्रो का काम पूरा करने का लक्ष्य है।

28 ट्रेनें खड़ी हो सकेंगी यार्ड में।

50 प्रतिशत डिपो का काम पूरा, डिपो में तैयार हो रहा पॉवर हाउस।

बन रहा मेट्रो का पॉवर हाउस

डिपो में मेट्रो का पॉवर हाउस ऑक्जिलरी सब स्टेशन भी तैयार हो रहा है। पूरी मेट्रो लाइन को यहीं से बिजली सप्लाई की जाएगी। सिविल वर्क और पैनल इंस्टालेशन बेस का काम भी चल रहा है। पेनल के लिए वेंडर कंपनी को काम में तेजी के निर्देश दिए। निर्माणाधीन कार्यों के लिए सामग्री की गुणवत्ता जांच तथा समय पर आपूर्ति के लिए फैक्ट्री इंस्पेक्शन टेस्ट करने की भी हिदायत दी। ऑपरेशन-कंट्रोल व एडमिन बिल्डिंग का काम तेज करने के साथ कॉन्ट्रेक्टर कंपनियों को लेबर बढ़ाने के निर्देश दिए।

कर्व का काम अधूरा देख जताई नाराजगी

गांधी नगर स्टेशन पर डिपो से सीधा ट्रैक इंस्पेक्शन मेंटेनेंस यार्ड तक बनाया जा रहा है। इसके काम में देरी पर सीनियर डीजीएम पर सिंह ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ऑफिस में बैठने से काम नहीं होगा, फील्ड में 18 घंटे रहना होगा, तभी ट्रायल रन शुरू हो सकेगा।

तीन लाइन वाला स्टेशन होगा

गांधी नगर स्टेशन शहर का सबसे बड़ा तीन लाइन वाला स्टेशन होगा। आरवीएनएल के अमित टंडन ने स्टेशन की प्रगति बताई। एमडी ने आई तथा पाई-गर्डर के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। सेगमेंट कास्टिंग यार्ड का भी निरीक्षण किया। मेट्रो रोलिंग स्टॉक यानी ट्रेन का ऑर्डर भी फ्रांस की कंपनी को दे दिया गया है। मई-जून से ट्रेन की डिलीवरी मिलनी शुरू हो जाएगी। यार्ड में 28 ट्रेनें खड़ी हो सकेंगी। फरवरी से पटरी बिछाने का काम भी शुरू किया जाएगा।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	Dabang Duniya	Indore	23.01.23	02	गांधी नगर सुपर कॉरिडर पर बनेगा मेट्रो का सबसे बड़ा स्टेशन	Neutral

दैनिक दबंग दुनिया
निष्पक्ष नजर, निष्पक्ष खबर

गांधी नगर सुपर कॉरिडोर पर बनेगा मेट्रो का सबसे बड़ा स्टेशन

डिपो का 50 प्रतिशत काम पूरा, पॉवर हाउस और मेंटेनेंस-इंस्पेक्शन यार्ड हो रहा तैयार, लापरवाही पर सीनियर इंजीनियर और यूआरसी कंस्ट्रक्शन को नोटिस

इंदौर » दबंग रिपोर्टर

मेट्रो ट्रायल रन के लिए सुपर कॉरिडोर पर बन रहे सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर शहर का सबसे बड़ा मेट्रो स्टेशन गांधी नगर में बनेगा। इस स्टेशन के समीप मेट्रो का डिपो भी तैयार हो रहा है। इस स्टेशन से ही मेट्रो डिपो में जाएगी और ट्रैक के लिए टेकऑफ करेगी। एमडी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि सितंबर में हर हाल में ट्रायल रन शुरू हो जाए।

डिपो का काम लगभग 50 प्रतिशत पूरा हो गया है। शनिवार को मेट्रो एमडी मनीष सिंह ने सुपर कॉरिडोर ट्रैक के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान सीनियर डीजीएम वायडक्ट श्रवण पालम को स्टेशन से यार्ड तक कर्व ट्रैक के कार्य में लापरवाही पर टर्मिनेशन के लिए चेतावनी नोटिस दिया है। कास्टिंग यार्ड में प्री कास्ट पाई और आई गर्डर के काम में देरी करने पर भी कंपनी यूआरसी को नोटिस जारी किया है।

एमडी ने अधिकारियों व कॉन्ट्रेक्टर से कहा कि यह सरकार की उच्च प्राथमिकता वाला काम है। इसमें 1 घंटे की भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने डिपो में निर्माणाधीन इंस्पेक्शन वे, स्टेब्लिंग लाइन, ऑक्जिलरी सब स्टेशन, रिसीविंग सब स्टेशन, एडमिन व कंट्रोल बिल्डिंग, यार्ड लाइन का निरीक्षण किया। मेट्रो के जीएम केसी चौहान व एजीएम अनिल जोशी ने बताया कि मई तक काम पूरे करने का लक्ष्य रखा है। डिपो की बाउंड्रीवॉल को लेकर निर्माण में देरी हो रही है। एमडी ने कॉन्ट्रेक्टर से फोन पर बात कर काम को गति देने के लिए कहा है।

कर्व का काम अधूरा देख जताई नाराजगी

गांधी नगर स्टेशन पर डिपो से सीधा ट्रैक इंस्पेक्शन मेंटेनेंस यार्ड तक बनाया जा रहा है। इसके काम में देरी पर सीनियर डीजीएम पर सिंह ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ऑफिस में बैठने से काम नहीं होगा, फील्ड में 18 घंटे रहना होगा, तभी ट्रायल रन शुरू हो सकेगा।

तीन लाइन वाला स्टेशन होगा

गांधी नगर स्टेशन शहर का सबसे बड़ा तीन लाइन वाला स्टेशन होगा। आरवीएनएल के अमित टंडन ने स्टेशन की प्रगति बताई। एमडी ने आई तथा पाई-गर्डर के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। सेगमेंट कास्टिंग यार्ड का भी निरीक्षण किया। मेट्रो रोलिंग स्टॉक यानी ट्रेन का ऑर्डर भी फ्रांस की कंपनी को दे दिया गया है। मई-जून से ट्[...] की डिलीवरी मिलनी शुरू हो जाएगी। या[...] में 28 ट्रेनें खड़ी हो सकेंगी। फरवरी से पट[...] बिछाने का काम भी शुरू किया जाएगा।

बन रहा मेट्रो का पॉवर हाउस

डिपो में मेट्रो का पॉवर हाउस ऑक्जिल[...] सब स्टेशन भी तैयार हो रहा है। पूरी मे[...] लाइन को यहीं से बिजली सप्लाई [...] जाएगी। सिविल वर्क और पैन[...] इंस्टालेशन बेस का काम भी चल रहा [...] पैनल के लिए वेंडर कंपनी को काम में ते[...] के निर्देश दिए। निर्माणाधीन कार्यों के लि[...] सामग्री की गुणवत्ता जांच तथा समय [...] आपूर्ति के लिए फैक्ट्री इंस्पेक्शन टेस्ट कर[...] की भी हिदायत दी। ऑपरेशन-कंट्रोल [...] एडमिन बिल्डिंग का काम तेज करने [...] साथ कॉन्ट्रेक्टर कंपनियों को लेकर कड़ा[...] के निर्देश दिए।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
15	Patrika	Indore	23.01.23	02	अब 280 दिन मे ट्रैक पर लानी होगी मेट्रो	Neutral

INDORE PRIME
इंदौर प्राइम
02
पत्रिका patrika.com
इंदौर, सोमवार, 23 जनवरी, 2023

24 घंटे काम की तैयारी | **सुपर कॉरिडोर पर फरवरी से शुरू हो सकेगा पटरी डालने का काम**

अब 280 दिन में ट्रैक पर लानी होगी मेट्रो ट्रेन

पत्रिका मेट्रो मीटर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इंदौर में मेट्रो की सिटी बजाने के लिए मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के पास मात्र 280 दिन बचे हैं। राजनीतिक जानकारों की मानें तो नवंबर में चुनाव की संभावना है। इसके लिए अक्टूबर के पहले या दूसरे सप्ताह में आचार संहिता लग सकती है। इससे पहले ट्रैक और स्टेशन का काम पूरा कर मेट्रो को पटरी पर लाना होगा। वर्तमान में दो शिफ्ट में 16 घंटे काम चल रहा है। जल्द ही 24 घंटे काम शुरू करने की तैयारी है।

शनिवार को एमडी के निरीक्षण के बाद डिपो, ट्रैक व स्टेशन के कार्यों में तेजी नजर आई। कंस्ट्रक्शन कंपनियां लेबर में बढ़ोतरी कर 24 घंटे काम करने की तैयारी कर रही है। सर्दी की वजह से देर रात काम करने में परेशानी से काम शुरू नहीं कर सके। जल्द ही 24 घंटे काम करने के लिए स्थानीय अधिकारी कॉन्ट्रेक्टर कंपनियों से चर्चा कर रहे हैं। वर्तमान में सिविल कार्य लक्ष्य से 38-40 प्रतिशत पीछे हैं। पटरी डालने, इलेक्ट्रिकल्स नेटवर्क के लिए ट्रेक्शन लाइन व इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल लगाने का काम शुरू नहीं हुआ है। इनके टेंडर कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, कंपनियों को डिजाइन एप्रूव्हल, मटेरियल आदि के लिए काम शुरू करने को कहा गया है, ताकि वे सामान पर्चेसिंग और अन्य कार्य शुरू कर दें। पटरी डालने का काम फरवरी से शुरू होगा। अभी अलग-अलग हिस्सों में प्रायोरिटी कॉरिडोर का करीब 2 किमी वायडक्ट ट्रैक तैयार हुआ है।

12 किमी बिछेगी पटरी

मेट्रो में पटरी बिछाने का कार्य सबसे अहम होता है। इसमें समय लगता है। फरवरी में यह कार्य शुरू होगा, तब मई-जून आखिर तक पूरा होने की उम्मीद है। 6 किमी के प्रायोरिटी ट्रैक पर दोनों ओर 12 किमी पटरी डाली जाएगी। इसी तरह ट्रेक्शन लाइनें व सिग्नल का काम भी अलग-अलग हिस्सों से शुरू करने जा रहे हैं। जॉय रन के लिए तीन स्टेशन तैयार कर रहे हैं।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
16	Nai Duniya	Indore	23.01.23	03	आईआईटी के विद्यार्थी हासिल कर रहे मेट्रो ट्रेन का तजुर्बा, करेंगे केस स्टडी	Positive

आइआइटी के विद्यार्थी हासिल कर रहे मेट्रो ट्रेन का तजुर्बा, करेंगे केस स्टडी

सिविल इंजीनियरिंग के 50 विद्यार्थी-प्रोफेसर जान रहे प्रक्रिया, बांबे, दिल्ली और मद्रास की टीमें भी कर रहीं काम

गजेन्द्र विश्वकर्मा • इंदौर

मेट्रो ट्रेन के बहाने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर को भी महत्वपूर्ण अनुभव मिल रहा है। प्रोजेक्ट के कार्यों को जानने के लिए संस्थान की टीम शहर में आ रही है और बारीकी से हर कार्य की जानकारी ले रही है। आइआइटी के सिविल इंजीनियरिंग के करीब 50 विद्यार्थी प्रोफेसर के साथ मेट्रो ट्रेन से अधिकारियों से मिल रहे हैं। देश में किसी शहर में 10 से 20 साल में मेट्रो ट्रेन जैसा बड़ा प्रोजेक्ट आता है। ऐसे में यह पहला अनुभव होगा जब आइआइटी इंदौर भी इसमें

आइआइटी के 50 विद्यार्थी मेट्रो कारिडोर के कास्टिंग यार्ड में पहुंचे। • नईदुनिया

अनुभव बढ़ा रहा है। प्रोजेक्ट के साथ आइआइटी बांबे, दिल्ली और मद्रास की टीम भी काम कर रही है। आइआइटी इंदौर अब जाकर इससे जुड़ पाया है। सिविल इंजीनियरिंग के एचओडी डा. अभिषेक राजपूत ने बताया कि प्रोजेक्ट का काम बहुत तेजी से चल रहा है और संस्थान भी इसमें अपनी भागीदारी देना चाहता है। इससे मेट्रो प्रोजेक्ट के साथ ही हमारे यहां के विद्यार्थियों को बहुत कुछ नया जानने को मिलेगा। मेट्रो ट्रेन का प्रजेंटेशन भी प्रोजेक्ट तैयार कर रही कंपनियों ने दिखाए। इतने बड़े प्रोजेक्ट को पाठ्यक्रम की किताबों से समझना मुश्किल रहता है। अब प्रैक्टिकल रूप से हम इसका काम होते हुए देख रहे हैं। इंदौर में मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट होने से संस्थान में शोध करने वाले प्रतिभागियों को भी लाभ होगा। संस्थान आने वाले दिनों में प्रोजेक्ट की सफलता और आने वाली चुनौतियों को लेकर केस स्टडी भी करेगा।

28 स्टेशनों से गुजरेगी ट्रेन

शहर में तैयार हो रहे मेट्रो ट्रैक पर 28 स्टेशन होंगे। कुल 31.5 किलोमीटर का ट्रैक रहेगा। पहले चरण के तहत 17.5 किलोमीटर का काम चल रहा है। गांधीनगर से आइएसबीटी तक का काम रेल विकास निगम कर रहा है और आइएसबीटी से रोबोट चौराहे तक का काम दिलीप बिल्डकान कर रही है। प्रोजेक्ट में करीब 7500 करोड़ रुपये की लागत आएगी। मध्य क्षेत्र में मेट्रो का स्वरूप कैसा रहेगा इसे लेकर निर्णय होना बाकी है

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
17	Nai Duniya	Indore	23.01.23	03	मेट्रो के लिए अगले माह यार्ड मे बिछेगी पटरी, मई मे आएगी ट्रेन	Positive

मेट्रो के लिए अगले माह यार्ड में बिछेगी पटरी, मई में आएगी ट्रेन

असर ● एमडी के दौरे के दूसरे दिन आ गई काम में तेजी

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर में मेट्रो के साथ गांधीनगर में डिपो के काम में भी तेजी आ गई है। कोलकाता की टेक्समोरेल कंपनी फरवरी में यार्ड में पटरी बिछाएगी। मई में यहां ट्रेन आ जाएगी।

गांधीनगर में बन रहे डिपो में इंस्पेक्शन वे, स्टेब्लिंग लाइन, आग्जिलरी सब स्टेशन, रिसीविंग सब स्टेशन, एडमिन बिल्डिंग आदि का निर्माण तेजी से चल रहा है। इंस्पेक्शन वे में मेट्रो ट्रेन खड़ी होगी। यहां उनका निरीक्षण किया जाएगा। अभी कांक्रीट का काम चल रहा है, जो 15 फरवरी तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद शेड लगा दिए जाएंगे। इसके बाद पटरी बिछाई जाएगी। मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के अनुसार सितंबर में ट्रायल रन का लक्ष्य रखा गया था। अब इसे अगस्त अंत तक कर दिया गया है। इसमें गांधीनगर से सुपर कारिडोर के साढ़े पांच किलोमीटर तक के हिस्से

इंदौर में मेट्रो का काम तेजी से जारी है। ● फाइल फोटो

में ट्रायल रन होगा। डिपो का काम तेजी से चल रहा है। फरवरी अंत में पटरी बिछने के साथ यार्ड तैयार होने लगेगा। कंट्रोल सेंटर बनाया जा रहा है। डिपो के सबसे नजदीकी गांधीनगर स्टेशन के निर्माण का काम भी तेजी से चल रहा है। यह सबसे महत्वपूर्ण स्टेशन है। यहां तीन लाइन होंगी। दो लाइन से ट्रेन एक-दूसरे को क्रास करेगी। तीसरी लाइन से ट्रेन डिपो आएगी-जाएगी। जानकारों का कहना है कि ट्रायल रन में एक बार जो व्यवस्था बन गई, उसके बाद इंदौर में मेट्रो प्रोजेक्ट पूरा होने में समय नहीं लगेगा। सभी आधारभूत सुविधाएं पूरी होने पर ही ट्रायल रन हो पाएगा।

इधर मप्र रेल कार्पोरेशन लिमिटेड कंपनी के एमडी मनीष सिंह के शनिवार को दौरा करने के बाद रविवार को काम में काफी तेजी आई। मेट्रो कंपनी के उप महाप्रबंधक श्रवण बालेम को सोमवार को नोटिस जारी किया जाएगा। उनके खिलाफ कई दिन से शिकायत मिल रही थी।

MPMETRO

METRO NEWS

24th JANAUARY,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
18	Agnibaan	Indore	24.01.23	Front Page	इंदौर मे मेट्रो के काम में आएगी फुर्ती.. अगले महीने से पटरियाँ बिछना शुरू	Factual

अग्निबाण

इंदौर सिटी

इंदौर में मेट्रो के काम में आएगी फूर्ति... अगले महीने से पटरियां बिछना शुरू

इंदौर।

मेट्रो प्रोजेक्ट के काम में अब और फूर्ति नजर आएगी। खासकर साढ़े 5 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर को इस साल अगस्त तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जो कि पहले सितम्बर में होना था। अगले महीने से पटरियों के बिछने की भी शुरुआत हो जाएगी। लापरवाही बरतने वाली कम्पनी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं और अन्य ठेकेदार कम्पनियों को भी एमडी ने कड़ी चेतावनी दे दी है और काली सूची में भी डाला जाएगा। गांधी नगर रेलवे स्टेशन के साथ मेट्रो यार्ड का काम भी एमडी ने देखा और देश के अन्य शहरों में जहां पर मेट्रो प्रोजेक्ट चल रहे हैं वहां जाकर भी अधिकारियों और ठेकेदार कम्पनियों के प्रतिनिधियों को अवलोकन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि इंदौर और भोपाल प्रोजेक्ट तय समय सीमा में पूरे हो सके। मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह ने इंदौर के प्रोजेक्ट की निर्माण प्रगति का मौका पर जाकर जायजा भी लिया।

एमडी श्री सिंह के मुताबिक कास्टिंग यार्ड के कॉन्ट्रेक्टर यूआरसी कंस्ट्रक्शन कम्पनी चैन्नई को कार्य में लापरवाही बरतने और स्टेशन के प्रीकॉस्ट पाई गर्डर के निर्माण की धीमी प्रगति के चलते नोटिस जारी किया जा रहा है। साथ ही इंदौर-भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट में जिन-जिन अधिकारियों को काम सौंपा गया है उन्हें अब लगातार मैदानी मॉनिटरिंग करने को कहा है। लक्ष्यों के मुताबिक कार्य पूरा न होने की स्थिति में संबंधित कम्पनियों को पूरे प्रदेश में प्रतिबंधित किया जा सकता है, ताकि भविष्य में कम्पनियों को मेट्रो के काम नहीं मिल सकें। प्रबंध निदेशक ने मेट्रो रेल कार्पोरेशन के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक सिविल एलिवेटेड को कार्य की पूर्ण जानकारी का अभाव और असंतोषजनक प्रदर्शन के चलते बर्खास्त करने के नोटिस देने के साथ कार्य में सुधार न आने पर सेवा संविदा समाप्त करने की भी चेतावनी दी है। सभी स्टेक होल्डर्स, मेट्रो के अधिकारियों, जनरल कंसल्टेंट और कॉन्ट्रेक्टर को भी कहा कि वे अपनी जिम्मेवारियों के प्रति निष्ठावान रहें और निर्माण कार्य की प्रगति को लेकर किसी भी तरह की कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दरअसल मुख्यमंत्री ने सितम्बर में ट्रायल रन की समय सीमा निर्धारित की है, जो अपरिवर्तनीय रहेगी। इसके लिए एमडी ने समय सीमा से पहले पूरे करने के कड़े निर्देश दिए और अब सितम्बर की बजाय अगस्त में ही साढ़े 5 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ट्रायल रन की सभी तैयारियां पूरी करने को कहा। अभी शनिवार को प्रबंध निदेशक श्री सिंह ने गांधी नगर मेट्रो स्टेशन से निर्माण कार्यों का निरीक्षण शुरू किया और स्टैबलिंग लाइन, ऑग्जीलरी सब स्टेशन, रिसीविंग सब स्टेशन, एडमिन बिल्डिंग सहित अन्य चल रहे निर्माण कार्यों को देखा और इसमें लगे सभी कॉन्ट्रेक्टरों को कहा कि वे मजदूरों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ तकनीकी संयंत्र यानी मशीनें, क्रैन उसमें भी बढ़ोतरी करें और 24 ही घंटे लगातार काम चलता रहे। निर्माण कार्यों में लगने वाली अन्य सामग्रियों की भी आपूर्ति करने वाली ठेकेदार फर्मों से भी सीधी चर्चा की जा रही है। वहीं संबंधित आपूर्तिकर्ताओं से खुद भी फोन पर चर्चा की। डिपो के वाया डक्ट भाग को सबसे चुनौतीपूर्ण बताते हुए इसके निर्माण में गति लाने के भी निर्देश दिए। गांधी नगर मेट्रो स्टेशन के निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया और पिछले दिनों ही प्राधिकरण ने मैन केरेजवे बंद कर स्टेशन निर्माण के चलते दोनों तरफ सर्विस रोड भी तैयार की।

MPMETRO

METRO NEWS

25th JANAUARY,2023

Indore

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
19	Dainik Bhaskar	Indore	25.01.23	06	चापरा में प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट ठंडे बस्ते में चलाने पर	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 25-01-2023 Pg-06

शासन-प्रशासन

दैनिक भास्कर, इंदौर, बुधवार, 25 जनवरी, 2023

चुनावी मोड में सरकार • इंदौर-भोपाल को लोक परिवहन व्यवस्था में मॉडल बनाना लक्ष्य

चापड़ा में प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट ठंडे बस्ते में, सरकार का जोर अब मेट्रो चलाने पर

इंदौर-भोपाल में सितंबर तक मेट्रो चलाने का तेजी से चल रहा है काम

भास्कर संवाददाता | इंदौर

चुनावी साल में राज्य सरकार मतदाताओं को लुभाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। वहीं कुछ वादे-दावे इस साल भी इंतजार में ही रहेंगे। ऐसा ही मुद्दा है इंदौर-भोपाल के बीच देश के सबसे बड़े ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाने का। एक बार जमीन का सर्वे होने और फिर इंदौर-उज्जैन के सांसदों द्वारा नई जमीन तलाशने के सुझाव के बीच सरकार ने फिलहाल इस प्रोजेक्ट को ठंडे बस्ते में डालने का मन बना लिया है। इसके पीछे तर्क यह दिया जा रहा है कि इंदौर और भोपाल एयरपोर्ट के चलते नए एयरपोर्ट को उतना ट्रैफिक नहीं मिलेगा और 25 हजार एकड़ जमीन का अधिग्रहण भी आसान नहीं है। इसलिए एयरपोर्ट के बजाय इन दोनों शहरों में चुनाव से पहले मेट्रो चलाने को सरकार ने प्राथमिकता में लिया है। इसलिए दोनों ही शहरों में प्रायोरिटी कॉरिडोर को किसी भी स्थिति में सितंबर तक पूरा करने का निर्णय हुआ है।

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के मुताबिक इतने बड़े एयरपोर्ट की अभी आवश्यकता नहीं है। वैसे भी जो माल प्रदेश से एक्सपोर्ट या इंपोर्ट होता है, वह पोर्ट से आता है, उसमें डीएमआईसी बनने के बाद और राह आसान हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि इंदौर के सांसद ने बनेड़िया (देपालपुर) में तो उज्जैन के सांसद ने इंदौर-उज्जैन के बीच यह एयरपोर्ट बनाने का सुझाव दिया था। इसके बाद एमपीआईडीसी जो जमीन अधिग्रहण के लिए नोडल एजेंसी था, उसने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के कहने पर प्रारंभिक सर्वे करवाया था।

यात्रियों के साथ कार्गो परिवहन को बढ़ाना था मुख्य मकसद

उल्लेखनीय है कि इंदौर एयरपोर्ट पर लगातार बढ़ते यात्री और उड़ानों के दबाव को देखते हुए इंदौर के पास नया एयरपोर्ट बनाए जाने की योजना बनाई गई थी। कहा गया था कि नए एयरपोर्ट का मुख्य मकसद कार्गो परिवहन होगा। इसके लिए पहले देवास जिले के चापड़ा का नाम रखा गया था। यहां एएआई की टीम ने सर्वे भी कर लिया था। सर्वे में जिस जमीन की जरूरत बताई गई उसमें से सिर्फ 5 से 10 प्रतिशत ही सरकारी थी, बाकी निजी जमीन थी। एक तर्क यह भी था कि ज्यादातर जमीन निजी होने के कारण इनके मुआवजे पर बड़ी राशि भी खर्च करना होगी। इंदौर से चापड़ा की दूरी जहां 53 किलोमीटर है, वहीं देपालपुर के बनेड़िया की दूरी 46 और धार जिले के दिग्ठान की दूरी 52 किलोमीटर है।

इंदौर-भोपाल मेट्रो हमारी प्रायोरिटी : एमपीआईडीसी के अधिकारियों का कहना है कि जहां तक इंदौर और भोपाल में मेट्रो की बात है तो हम सितंबर तक किसी भी स्थिति में दोनों कॉरिडोर शुरू कर देंगे। इसके साथ ही आगे के टेंडर और प्लानिंग भी कर रहे हैं।

MPMETRO

S.No.	Source	Date	Page	Context	Type
20	Free Press Journal	25.01.23	02	Metro Track laying to start in February	Neutral

Metro track laying likely to start in February

Indore: The laying of tracks of Indore Metro rail is likely to start from next month, said officials. The work would start on the 5.5 km super priority corridor. Kolkata-based Texmaco Rail and Engineering Ltd will supply standard gauge ballastless track for Indore Metro Rail project. The work scope includes designing, supplying, installing, testing, and commissioning the ballastless track of standard gauge for the Indore Metro Yellow Line. The company would be charging Rs 252 crore for the project.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
21	Dainik Bhaskar	Indore	26.01.23	04	ऑर्डर जारी: मेट्रो ट्रेन के लिए अगले महीने आएंगी पटरियाँ	Factual

दैनिक भास्कर इंदौर 26-01-2023

ऑर्डर जारी : मेट्रो ट्रेन के लिए अगले महीने आएंगी पटरियां

इंदौर | मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट में सितंबर तक पहले चरण के ट्रायल के लिए अफसरों ने काम की रफ्तार बढ़ा दी है। ट्रैक सप्लाय जिंदल स्टील एंड पावर कंपनी को वर्कऑर्डर दिया जा चुका है, फरवरी अंत तक डिलीवरी शुरू हो जाएगी।

मार्च में गांधी नगर मेट्रो स्टेशन से सुपर कॉरिडोर व एमआर-10 ब्रिज तक के हिस्से में पटरियां बिछना शुरू होने की उम्मीद है। इस भाग में पिलर और सेगमेंट का काम तेजी से चल रहा है। इधर, एमपीएमआरसीएल ने रेडिसन चौराहे से पलासिया के बीच बचे कॉरिडोर के टेंडर के रिव्यू व क्लीयरेंस प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इसके लिए फंडिंग एजेंसी एडीबी (एशियन डेवलपमेंट बैंक) को प्रस्ताव भेजा रहा है। शहर के इस भाग में फिलहाल रेडिसन से रोबोट चौराहा तक काम शुरू हुआ है। आगे का रूट रोबोट चौराहे से खजराना, बंगाली कॉलोनी, कनाड़िया रोड होते हुए पलासिया तक का है। उसके आगे पलासिया से एमजी रोड, राजबाड़ा क्षेत्र को लेकर अभी दो-तीन प्रस्तावों पर बात चल रही है।

MPMETRO

METRO NEWS

27h JANAUARY,2023

Indore

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
22	Free Press	Indore	27.01.2023	02	MD discusses progress of Indore Metro with Officials	Neutral

MD discusses progress of Indore Metro with officials

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

REPRESENTATIONAL PIC

Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited Managing Director Manish Singh on Wednesday discussed the construction work of the station under the Indore Metro and Bhopal Metro Project with officials.

The officials said that the designs and drawings related to about 90% of civil works under the Priority Corridor have been finalised and issued to the contractor.

Work is in progress in Bhopal and Indore and the first batch of the track will be delivered by Jindal Steel and Power Ltd. by the end of February. After which the work of laying tracks will be started by the contractor (L&T Bhopal) and (ISC & Texmaco Indore), said officials.

The MD was also informed that the funding agency (European Investment Bank (EIB) - Bhopal) and (Asian Development Bank (ADB) - Indore) in Bhopal and Indore project have submitted the tender documents of the remaining corridor in Phase 1 (Bhopal- Proposals are being sent for review and clearance from Subhash Nagar to Karaud Square and Bhadbhada Square - Ratnagiri Square) and (Indore - Palasia to Radisson Square). After which notification will be issued in February. The speed of concreting and other works has been doubled, and the managing director instructed that the speed must be further increased.

Along with this, strict instructions were also given that no laxity will be tolerated regarding the progress of the construction work. He made it clear that the deadline set by Chief Minister Shivraj Singh Chouhan for the trial run in September 2023 is irreversible, so all the works should be completed in time.

THE FREE PRESS JOURNAL Fri, 27 January 2023
https://epaper.freepressjournal.in/c/71522887

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
23	Agnibaan	Indore	27.01.2023	07	259 करोड़ में बिछेंगी मेट्रो ट्रेन की पटरियाँ.. दो कम्पनियाँ रही अयोग्य	Factual

अग्निबाण

32 किलोमीटर का ठेका टैक्समाको कम्पनी को मिला, इस माह इंदौर-भोपाल प्रोजेक्ट में निर्माण की रफ्तार हो गई दोगुनी

259 करोड़ में बिछेगी मेट्रो ट्रेन की पटरियां... दो कम्पनियां रही अयोग्य

इंदौर।

इंदौर भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट की अब लगातार समीक्षा के साथ मैदानी अवलोकन किया जा रहा है, ताकि प्रायोरिटी कॉरिडोर पर अगस्त-सितम्बर में ट्रायल रन मुख्यमंत्री की मंशा अनुरूप लिया जा सके। जनवरी माह में निर्माण कार्य की रफ्तार दो गुना तक हो गई है और प्रायोरिटी कॉरिडोर से संबंधित 90 फीसदी सिविल कार्यों से संबंधित ड्राइंग और डिजाइन भी फाइनल कर ठेकेदारों को उसका जिम्मा सौंप दिया है। फरवरी माह के अंत तक जिंदल स्टील एंड पॉवर लिमिटेड द्वारा ट्रैक की पहली खेप भिजवा दी जाएगी, जिसके बाद जिन ठेकेदार फर्मों को पटरियां बिछाने का काम दिया है वे प्रायोरिटी कॉरिडोर और डिपो में पटरियां बिछाने का काम शुरू करेंगी। इंदौर में टैक्समाको कम्पनी को 259 करोड़ में ठेका दिया गया है। चार कम्पनियों ने टेंडर डाले, जिनमें से दो कम्पनियां अयोग्य पाई गई।

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन के प्रबंध संचालक मनीषसिंह लगातार इंदौर-भोपाल प्रोजेक्ट की समीक्षा के साथ ही फटाफट टेंडरों को मंजूर करने के अलावा मैदानी अवलोकन भी कर रहे हैं। पिछले दिनों इंदौर प्रोजेक्ट की समीक्षा और गांधी नगर मेट्रो स्टेशन सहित प्रायोरिटी कॉरिडोर का अवलोकन भी किया। वहीं अभी शनिवार को भोपाल प्रोजेक्ट का अवलोकन किया गया। प्रबंध संचालक को दोनों प्रोजेक्ट की जानकारी देते हुए संबंधित इंजीनियरों, ठेकेदार फर्मों ने बताया कि नवम्बर की तुलना में अभी जनवरी में निर्माण कार्य की रफ्तार दो गुनी हो गई है, जो कि अपने आप में एक रिकॉर्ड है और देश के किसी भी मेट्रो प्रोजेक्ट में ऐसा नहीं हुआ। प्रायोरिटी कॉरिडोर में भी आगे की प्लानिंग के लिए अभी से सुपर स्ट्रक्चर के डिजाइन तय कर दिए गए, ताकि अगले कार्य में जो 5 से 6 महीने डिजाइन में ही लग जाते थे उसकी भी बचत होगी। फरवरी माह के अंत तक ट्रैक की पहली खेप जिंदल स्टील एंड पॉवर लि. द्वारा डिलीवरी कर दी जाएगी, जिसके बाद ठेकेदार फर्मों द्वारा पटरियों को बिछाने का काम शुरू किया जाएगा। भोपाल में एलएनटी तथा इंदौर में आईएससी और टैक्समाको जेवी को पटरियां बिछाने का ठेका मिला है। 259 करोड़ में लगभग 32 किलोमीटर के तय किए गए ट्रैक पर उक्त फर्मों द्वारा पटरियां बिछाई जाएंगी। इस कार्य के लिए चार ठेकेदार फर्मों ने टेंडर जमा किए थे, जिसमें फाइनेंशियल बीड के दौरान दो कम्पनियां अयोग्य करार दी गई, जिसमें रेल विकास निगम लिमिटेड के अलावा विजय निर्माण कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड शामिल रही। जबकि लॉर्सन एंड टूबो यानी एलएनटी ने 262.32 करोड़ का टेंडर भरा, जबकि टैक्समाको रेल एंड इंजीनियरिंग ने 258.88 करोड़ रुपए का टेंडर दिया, जो कम होने से पिछले दिनों मंजूर किया गया। लगभग 32 किलोमीटर यलो लाइन इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट की पटरियां अब इस फर्म द्वारा बिछाई जाएगी। इसके लिए पटरियों को सप्लाय करने का ठेका जिंदल स्टील एंड पॉवर लिमिटेड को दिया गया है। प्रबंध संचालक मनीष सिंह के मुताबिक भोपाल और इंदौर प्रोजेक्ट में फंडिंग एजेंसी यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक भोपाल तथा एशियन डवलपमेंट बैंक इंदौर में फेज-1 में बचे हुए कॉरिडोर के टेंडर डॉक्यूमेंट को भी समीक्षा और मंजूरी के लिए तैयार कर लिया गया है और फरवरी माह में इसकी अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। भोपाल में सुभाष नगर से करोंद चौराहा तथा भदभदा चौराहा से रत्नागिरी चौराहा शामिल है, तो इंदौर में पलासिया से रेडिसन चौराहा के लिए यह अधिसूचना जारी होना है। अवलोकन के दौरान अजय शर्मा निदेशक प्रोजेक्ट शोभित टंडन, संजय सिंह महाप्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी ठेकेदारों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

Page No. 7 Jan 27, 2023
Powered by: erelego.com

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
24	Indore	Purnviraam	29.01.23	02	इंदौर मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट: 15 फरवरी के बाद आएगी पटरियाँ	Neutral

इंदौर मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट:15 फरवरी के बाद आएगी पटरियां

संवाददाता ■ इंदौर

इंदौर में मेट्रो ट्रेन का ट्रायल इसी साल 6 महीने बाद यानी अगस्त महीने के आखिर तक करने की तैयारी है। ट्रायल के लिए सुपर कॉरिडोर पर 5 किलोमीटर का प्रायोरिटी कॉरिडोर तैयार किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि अगले महीने 15 फरवरी के बाद पटरियों की खेप आ जाएगी। इसी के साथ पटरियां बिछाने का काम भी शुरू हो जाएगा।

जिंदल स्टील करेगा पटरियों की सप्लाय

समय पर काम पूरा हो सके इसलिए जनवरी महीने में काम की रफ्तार लगभग दो गुना तक हो गई है। प्रायोरिटी कॉरिडोर से जुड़े करीब 90 प्रतिशत सिविल कार्यों की ड्राइंग और डिजाइन को अंतिम रूप देकर ठेकेदारों को उसका जिम्मा सौंप दिया है। मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के अधिकारियों के अनुसार संभवतः 15 फरवरी के बाद जिंदल स्टील एंड पॉवर लिमिटेड द्वारा रेलवे ट्रैक की पहली खेप भिजवा दी जाएगी। इसके बाद जिन फर्मों को पटरियां बिछाने का काम दिया है, वे प्रायोरिटी कॉरिडोर और डिपो में पटरियां बिछाने का काम शुरू करेंगी। भोपाल में एलएंडटी व इंदौर में आईएसमी और टैक्समको जेवी को पटरियां बिछाने का टेंडर मिला है।

हाल ही में किया एमडी ने निरीक्षण

कुछ समय पहले मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एमडी मनीष सिंह ने इंदौर के गांधीनगर में बन रहे मेट्रो डिपो का निरीक्षण किया था। इस दौरान कार्य में लापरवाही पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए सीनियर डीसीएम श्रवण बालेम को फटकार लगाई थी। सिंह ने लगभग ढाई घंटे से अधिक समय तक दौरा किया था। इतना ही नहीं डिपो में सामान सप्लाई करने वाले वेंडरों से सीधे फोन कर उन्होंने चर्चा की और कहा कि आप किसी भी तरह की परेशानी में सीधे मुझे कॉल करें। अब हमारे पास कम समय है। अफसरों को भी उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि हर हाल में अगस्त महीने के आखिर तक मेट्रो का ट्रायल करना है। लिहाजा तेजी के साथ काम को पूरा करवाया जाए। किसी भी अधिकारी की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गांधीनगर में बन रहा है डिपो

मेट्रो ट्रेन के संचालन और रखरखाव के काम के लिए डिपो का निर्माण तेजी से चल रहा है। गांधीनगर में डिपो बनाया जा रहा है। मेट्रो को डिपो के अंदर तक ले जाने के लिए लैंडिंग वे का काम भी जारी है। इसके माध्यम से ही मेट्रो ट्रेन डिपो में प्रवेश करेगी और बाहर स्टेशन तक पहुंचेगी। अधिकारियों के अनुसार गांधीनगर स्टेशन इंदौर का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण स्टेशन रहेगा। यहां तीन लाइन मेट्रो ट्रेन के लिए रहेगी, दो लाईन से ट्रेन अपने रूट पर जाएगी और तीसरी से डिपो में आना-जाना करेगी। MP में नए साल में मेट्रो का सफर-भोपाल में सितंबर में पूरा होगा काम, इंदौर में इस साल सिर्फ ट्रायल अगर सब कुछ ठीक रहा तो भोपाल मध्यप्रदेश का पहला शहर होगा, जिसमें 2023 में लोग यह लाइन सुन सकेंगे कि अगला स्टेशन एम्स है-दरवाजे बाईं तरफ खुलेंगे...कृपया दरवाजों से हटकर खड़े हों। नए साल में विधानसभा चुनाव से पहले भोपाल में मेट्रो ट्रेन दौड़ने लगेगी।

भोपाल और इंदौर में मेट्रो ट्रेन

प्रोजेक्ट का काम तेजी से चल रहा है। भोपाल में पहले ट्रायल और लोकार्पण होगा, वहीं स्थानीय दिक्कतों के चलते इंदौर में तीन महीने बाद लोग मेट्रो की सवारी कर सकेंगे। इंदौर में दिसंबर 2023 तक मेट्रो का ट्रायल हो जाएगा।

मप्र मेट्रो ट्रेन कॉर्पोरेशन के एमडी

मनीष सिंह ने पिछले दिनों कोच खरीदी, पटरियां बिछाने से लेकर अन्य महत्वपूर्ण टेंडरों को मंजूरी दी है। इंदौर और भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए 156 कोच की खरीदी की जाएगी, जिसमें से इंदौर के लिए 75 और भोपाल के लिए 81 कोच होंगे।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
25	Nai Duniya	Indore	29.01.23	03	Workers pacing up the work on Saturday evening	Positive

नईदुनिया 3

MPMETRO

Indore

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
26	Free Press	Indore	30.01.2023	03	Depot construction at full swing. Track laying likely to start mid-feb	Neutral

Metro tracks laying likely to start by mid-Feb: Officials

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The laying of Indore Metro tracks on the 5-km long super priority corridor will start by February 15, said Metro officials, who have promised that the trial run of the Metro train will start by August end.

The track-laying work will start soon after the first consignment of tracks reach the city in early February. The work on the priority corridor has speeded up during January, and 90 per cent of civil work is completed, said officials.

Depot work going on with full speed

The construction of the Metro Rail depot in Gandhi Nagar is going on at brisk pace. All maintenance work of the trains would be done in the depot.

According to the officials the first consignment of railway tracks will most probably be sent by Jindal Steel and Power Limited. The work of laying the tracks will be done by L&T in Bhopal and JV of ISC and Taxmaco in Indore.

THE FREE PRESS JOURNAL Mon, 30 January 2023 https://epaper.freepressj